www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 आखिरकार दगाबाज चीन पर भरोसा करके... 3 वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को विभिन्न विद्यालय की... 4 रक्षाबंधन के अवसर पर हरियाणा रोडवेज व...

वर्ष: 9 | अंक: 286 | दिल्ली, शनिवार, 9 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

मनोज तिवारी ने नरेंद्र मोदी को भेंट किया बाबा बैद्यनाथ धाम का प्रसाद

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने शुक्रवार को एक भावुक कर देने वाला अनुभव साझा किया, जहाँ उन्होंने अपनी पत्नी सुरभि और अपनी साढ़े चार साल की बेटी संविका के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री को झारखंड के देवघर स्थित भगवान शिव के भक्तों द्वारा पूजनीय बाबा बैद्यनाथ धाम से एक प्रसाद का पेंढ़ा भेंट किया। यह प्रसाद, एक पवित्र भेंट, उन सभी नंगे पाँव कांवड़ियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को भेंट किया गया, जो गंगा नदी से पवित्र जल लेने के लिए कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। प्रसाद ग्रहण करने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए हर हर महादेव का जाप किया। वे प्रसन्न दिखे और कांवड़ यात्रा और कांवड़ियों का हालचाल पूछा।

दस बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा गया: हिमंत

असम (एजेन्सी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को असम के श्रीभूमि जिले से 10 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को पड़ोसी देश में खदेड़ दिया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, अवैध घुसपैठ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है! आज तड़के असम पुलिस ने श्रीभूमि सेक्टर से 10 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को खदेड़ दिया। शर्मा ने कहा, असम की जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। सीमाएं सुरक्षित हैं, घुसपैठिए खदेड़ दिये गए! असम पुलिस ने पिछले हफ्ते श्रीभूमि से 27 अवैध घुसपैठियों को बांग्लादेश खदेड़ दिया था। हाल के महीनों में 387 से अधिक कथित अवैध घुसपैठियों को खदेड़ कर वापस भेजा गया है।

संसद में विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। संसद में विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार (11 अगस्त) तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर शुक्रवार को भी दोनों सदनों में हंगामा किया।

कार्यवाही शुरू होने के बाद सबसे पहले संसद के दोनों सदनों में भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका निभाने वाले अन्य महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी गई। लोकसभा ने जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी जिनका गत पांच अगस्त को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजकर पांच मिनट पर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे बैठक शुरू हुई तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवर समिति की रिपोर्ट के अनुसार आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने की अनुमति मांगी और सभा की सहमति से सरकार ने विधेयक को वापस ले लिया।

सदन में गैर-सरकारी कामकाज होने का उल्लेख करते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि आज शुक्रवार है जो सदस्यों का दिन होता है और विशेष रूप से विपक्ष के सदस्यों के लिए महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इस दिन गैर-सरकारी कामकाज होता है। रीजीजू ने कहा कि विपक्ष के सदस्य सरकारी कामकाज तो बाधित कर ही रहे हैं, आज उन्होंने गैर सरकारी कामकाज को भी अवरुद्ध किया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में विपक्ष के सांसद ये ना कहें कि सरकार ने सहयोग नहीं किया है। रीजीजू ने कहा कि सरकार ने शुरू से कहा है कि नियमों के तहत वह हर मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, आज विपक्ष के लोगों ने निजी कामकाज को भी बाधित किया है, इससे हम दुखी हैं। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण शुक्रवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बज कर तीन मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि वर्तमान सत्र में लगातार हंगामे की वजह से सदन का अब तक 56 घंटे 49 मिनट का समय बर्बाद हो चुका है। उपसभापति हरिवंश ने बताया कि विभिन्न मुद्दों पर नियत कामकाज स्थगित कर चर्चा करने के लिए उन्हें नियम 267 के तहत 20 नोटिस मिले हैं। उपसभापति ने बताया कि ये नोटिस पूर्व में दी गई व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाए गए अतः इन्हें खारिज कर दिया गया है।

सरकार ने वापस लिया इनकम टैक्स बिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात से, इसकी शुरूआत से अब तक कुल 34.13 करोड़ रुपये की आय हुई है। सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में शुक्रवार को राज्यसभा को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम आकाशवाणी मौजूदा संसाधनों के माध्यम से बिना अतिरिक्त खर्च के तैयार करता है।

सरकार ने बताया कि उसने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले हिस्से पर चीन द्वारा एक विशाल बांध परियोजना का निर्माण कार्य शुरू करने की खबरों का संज्ञान लिया है। तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी को यारलुंग त्सांगपो के नाम से जाना जाता है।

राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि इस परियोजना को पहली बार वर्ष 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से ही चीन में इसकी तैयारियां चल रही थीं।

गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर सीएम निवास में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय समारोह

हरियाणा सरकार सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध-सीएम नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। गोस्वामी तुलसीदास जयंती के पावन अवसर पर शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निवास संत कबीर कुटीर पर राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से गोस्वामी समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों सहित प्रदेश के कौने-कौने से आए बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज द्वारा रखी गई मांग पर बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि गोसाईं समाज को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने के लिए हरियाणा सरकार ओबीसी आयोग को पत्र लिखकर सूची में नाम शामिल करवाने के लिए अनुशंसा करेगी।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में किसी एक चौक का नाम तथा हिसार में स्थापित किए जाने वाले बड़े पुस्तकालय का नाम गोस्वामी तुलसीदास जी के नाम पर रखा जाएगा। साथ ही, गोस्वामी समाज सभा की कुरुक्षेत्र में निर्माणाधीन धर्मशाला के लिए मुख्यमंत्री ने अपने ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपये देने की घोषणा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समारोह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता की एक गौरवमयी अभिव्यक्ति है। गोस्वामी तुलसीदास जी का नाम लेते ही मन में भक्ति, ज्ञान का भाव आ जाता है। वे मात्र एक कवि या संत द्दष्टा ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने 'रामचरितमानस' के माध्यम से भारतीय समाज को एक नई दिशा दी। जिस समय समाज में अनेक बुराइयां फैली हुई थीं, लोगों में निराशा का भाव था, तब तुलसीदास जी ने मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि तुलसीदास जी की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। उनका साहित्य

केवल भारत ही नहीं, बल्कि सारी मानवता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है और हमें उनके आदर्शों को जीवन में अपनाकर आदर्श समाज निर्माण की दिशा में कार्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिलाया है। ओ.बी.सी. वर्ग को अब मेडिकल एजुकेशन, सैनिक स्कूलों, केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालयों में दाखिले में आरक्षण का लाभ दिया गया है। प्रधानमंत्री के "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र को आत्मसात करते हुए हरियाणा सरकार भी समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

हरियाणा सरकार ने राज्य में पिछड़े वर्गों के उत्थान-कल्याण के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया है। पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर आय सीमा को 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये वार्षिक किया है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में पिछड़ा वर्ग (ए) को 8 प्रतिशत व पिछड़ा वर्ग (बी) को 5 प्रतिशत आरक्षण और पंच पद के लिए उनकी जनसंख्या के 50 प्रतिशत के अनुपात में आरक्षण दिया है। शहरी स्थानीय निकायों में भी पिछड़ा वर्ग बी को मेयर/ प्रधान के पदों में 5 प्रतिशत तथा सदस्यों के लिए सम्बंधित पालिका में उनकी जनसंख्या के 50 प्रतिशत के अनुपात में आरक्षण दिया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने स्कूली बच्चों एवं अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था के सदस्यों के साथ मनाया रक्षाबंधन

रक्षाबंधन आपसी विश्वास, प्रेम और एकता का प्रतीक-विजेंद्र गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा रक्षाबंधन के पावन अवसर पर स्नेह और उत्साह से गूंज उठी, जब अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी स्थित तितिक्षा पब्लिक स्कूल के बच्चों तथा विश्वविख्यात सामाजिक-आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सदस्यों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया।

इस भावपूर्ण अवसर पर तितिक्षा पब्लिक स्कूल के बच्चों ने अध्यक्ष की कलाई पर राखी बांधकर स्नेह, विश्वास और शुभकामनाएं व्यक्त कीं।गुप्ता ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें प्रेम स्वरूप उपहार भेंट किए तथा निष्ठा और लगन से पढ़ाई कर देश के जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सदस्यों ने भी अध्यक्ष को राखी बांधकर शांति, सद्भाव तथा आध्यात्मिक उन्नति का संदेश दिया गुप्ता ने समाज में नैतिक मूल्यों और एकता को बढ़ावा देने में संस्था के योगदान की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर गुप्ता ने कहा कि रक्षाबंधन हमें सिखाता है कि प्रेम ही सबसे बड़ी शक्ति है और सच्ची रक्षा वही है, जब हम जरूरत के समय एक-दूसरे के साथ खड़े हों। यह पवित्र सूत्र केवल परंपरा नहीं, बल्कि सम्मान, करुणा और प्रेमभाव बनाए रखने का संकल्प है। इस रक्षाबंधन पर मैं कामना करता हूँ कि हमारे शहर का हर घर खुशियों, विश्वास और एकता से भरा हो।

अध्यक्ष ने दिल्लीवासियों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए आग्रह किया कि सभी लोग इस पर्व को सच्चे प्रेमभाव और आपसी सहयोग की भावना से मनाएँ। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह अवसर हम सबको भाईचारे के बंधन को मजबूत करने, शांति को बढ़ावा देने और दिल्ली को सुरक्षित, प्रगतिशील एवं समावेशी हेतु मिलकर कार्य करने की प्रेरणा देता है।

अमित शाह एवं नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। अमित शाह, गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार एवं नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा शुक्रवार को सीतामढ़ी से नई दिल्ली के लिए एक नई अमृत भारत ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इसका परिचालन सीतामढ़ी से 05599 सीतामढ़ी-दिल्ली उद्घाटन स्पेशल के रूप में किया गया।

दिल्ली और सीतामढ़ी के मध्य गाड़ी सं. 14048/14047 दिल्ली-सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन दिल्ली से 09.08.2025 से प्रत्येक शनिवार को तथा सीतामढ़ी से 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को किया जाएगा।

गाड़ी सं. 14048 दिल्ली-सीतामढ़ी अमृत भारत एक्सप्रेस 09.08.2025 से प्रत्येक शनिवार को दिल्ली से 14.00 बजे खुलकर गाजियाबाद, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसिवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, सिकटा, रक्सौल, बैरगनिया स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 10.45 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 14047 सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को सीतामढ़ी से 22.15 बजे खुलकर उपरोक्त स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 22.40 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

विदित हो भारतीय रेल की ओर से बिहार को मिलने वाली यह सातवीं अमृत भारत ट्रेन है। इससे पहले जब देश में पहली बार अमृत भारत ट्रेनें बनकर तैयार हुई थी, तो उनका परिचालन दरभंगा से वाया अयोध्या आनंद विहार टर्मिनल तथा

मालदा टाउन से सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच किया गया था। सहरसा और मुंबई के मध्य अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन का प्रारंभ माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया था। इसके अलावा पटना और नई दिल्ली के बीच प्रतिदिन अमृत भारत एक्सप्रेस के साथ-साथ मोतिहारी से आनंद विहार के लिए, दरभंगा से लखनऊ तथा भागलपुर, गया, सासाराम के रास्ते मालदा टाउन से लखनऊ के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिससे बिहार के लोगों को काफी लाभ मिल रहा है।

अमृत भारत ट्रेनों का निर्माण मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री में किया गया है। इसे खास तौर पर मध्य एवं निम्न आय वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें स्लीपर और जनरल क्लास के डिब्बे लगे हुए हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस अमृत भारत ट्रेन के नए संस्करण में कई-नई सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं, जिससे अमृत भारत 2.0 पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक और हाईटेक हो गई है। अमृत भारत ट्रेन लो बजट में यात्रा करने का एक सुविधाजनक और विश्वसनीय माध्यम बन गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में जानकारी दी थी कि देश में 100 नए अमृत भारत रेक निमार्णाधीन हैं, जिन्हें भारतीय रेल के विभिन्न रूटों पर चलाया जाएगा।

अमृत भारत 2.0 ट्रेन के कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इनमें हवाई जहाज की तर्ज पर रेडियम एलिमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, एयर स्प्रिंग बॉडी जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जिससे सफर आरामदायक होता है।

इस ट्रेन के प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सॉप डिस्पेंसर और एरोसॉल आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम लगाया गया है, जिससे स्वच्छता और सुरक्षा को मजबूती प्राप्त होगी। शौचालयों के निर्माण में शीट मेटल कंपाउंड सामग्री का उपयोग किया गया है जिससे रख-रखाव आसान होगा। अमृत भारत 2.0 ट्रेन में 130 किमी/घंटा रफ्तार देने की क्षमता है। भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है, जो न केवल यात्रा को सुगम बनाती है, बल्कि कनेक्शन को भी सुविधाजनक बनाती है।

लोकोमोटिव के साथ यह रेक स्थिरता के साथ उच्चतम गति और बेहतर संचालन सुनिश्चित करता है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और म्च-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये फीचर पहली बार भारतीय ट्रेनों में जोड़ा गया है। इसके अलावा पूरी तरह से सील गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है।

यात्री और सुरक्षा-गार्ड के बीच दो-तरफा संचार के लिए प्रत्येक कोच में इमरजेंसी टॉक बैक सिस्टम की नई सुविधा जोड़ी गई है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है।

ऑन-बोर्ड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम से रियल टाइम व्हील और बियरिंग की निगरानी होती है। इंटरनेट आधारित वाटर लेवल इंडिकेटर स्टेशनों और ऑन-बोर्ड स्टाफ को सहायता प्रदान करते हैं। देश में पहली बार किसी ट्रेन में बाहरी आपातकालीन लाइट्स की सुविधा भी दी गई है।

रक्षाबंधन पर धामी सरकार का तोहफा, कर सकेंगी बसों में मुफ्त सफर

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर उत्तराखंड परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में महिलाओं के लिए नि:शुल्क यात्रा सुविधा की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार आपसी स्नेह और विश्वास का प्रतीक है और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और ऐतिहासिक महत्व से जुड़ा है। धामी ने महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य

सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाए बिना एक समृद्ध उत्तराखंड का सपना पूरा नहीं हो सकता। हम राज्य के लोगों से अपेक्षा करते हैं कि वे महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी प्रगति के लिए एक आदर्श समाज के निर्माण में सहयोग करें। इस बीच, मुख्यमंत्री के धराली दौरे के दौरान एक हृदयस्पर्शी घटना घटी, जिसमें गुजरात की एक पर्यटक, जो अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन में फंस गई थी, ने अपने दुपट्टे का एक टुकड़ा फाड़कर मुख्यमंत्री को बाँध दिया। गुजरात के अहमदाबाद के ईशानपुर निवासी धनगौरी बरौलिया अपने परिवार के साथ गंगोत्री दर्शन के लिए उत्तराखंड आई थीं। 5 अगस्त को आई भीषण आपदा के कारण, वह अपने परिवार के साथ धराली में फंस गईं। सड़क अवरुद्ध होने, लगातार मलबा आने और तेज बहाव के कारण स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई थी। मुख्यमंत्री स्वयं तीन दिनों से लगातार क्षेत्र में मौजूद रहकर राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर ऐतिहासिक रोक, अभिभावकों ने विधानसभा पहुँचकर सीएम को दिया धन्यवाद

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव लाने वाले दिल्ली स्कूल शिक्षा फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता विधेयक 2025 के पारित होने के बाद, आज राजधानी के अलग-अलग इलाकों से आए सैकड़ों अभिभावक और संरक्षक मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से मुलाकात करने दिल्ली विधानसभा पहुंचे। इस अवसर पर अभिभावकों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह फैसला दिल्ली के मध्यमवर्गीय और आम परिवारों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने सभी अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि यह बिल केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि दिल्ली के हर बच्चे के भविष्य की सुरक्षा का वचन है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि शिक्षा व्यापार नहीं, बल्कि हर बच्चे का अधिकार है। इस अधिकार की रक्षा करना और शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभिभावकों ने भावुक होते हुए साझा किया कि अब तक निजी स्कूलों की मनमानी फीस बढ़ोतरी ने कई परिवारों की आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ डाल दिया था। लेकिन पहली बार हमारी आवाज को सच में सुना गया है और उसे कानून का रूप दिया गया है। अब हमें भरोसा है कि बच्चों की पढ़ाई पैसों की कमी की वजह से बाधित नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस कानून को सख्ती से लागू किया जाएगा और किसी भी प्रकार की मनमानी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा में जनसहभागिता बढ़ाने के लिए अभिभावकों को फीस निर्धारण प्रक्रिया में सीधे शामिल किया जाएगा, ताकि स्कूल और अभिभावकों के बीच विश्वास और संवाद का पुल मजबूत हो।

सम्पादकीय

रक्षाबंधन और सनातन संस्कृति

सनातन संस्कृति में 'रक्षा' और 'बंधन' दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण अवधारणाएं हैं। 'रक्षा' का अर्थ केवल शारीरिक सुरक्षा नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रक्षा भी है। वहीं 'बंधन' किसी को बाधित करने वाला नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और मर्यादा से जुड़ा आत्मिक संबंध है। रक्षाबंधन का मूल बहुत प्राचीन है। इसका सबसे प्रारंभिक उल्लेख वेदों में 'रक्षासूत्र' के रूप में मिलता है। यजुर्वेद में ब्राह्मण पुरोहितों द्वारा यज्ञ या धार्मिक अनुष्ठानों के समय राजा या यजमान की कलाई में रक्षासूत्र बाँधने की परंपरा थी, जिससे उसकी रक्षा दैविक शक्तियों के द्वारा हो सके। मंत्र था:

'येन बद्धो बलिराजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वाम प्रतिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल।।'

यह रक्षासूत्र केवल बहन-भाई के रिश्ते का प्रतीक नहीं था, बल्कि धर्म, शक्ति और रक्षा का सूचक था। रक्षासूत्रों का उपयोग सामाजिक, धार्मिक और राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हुआ। उदाहरण के लिए, भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा तब की जब उसने उन्हें रक्षासूत्र बाँधा था। भागवत पुराण में आता है कि जब देवासुर संग्राम में इंद्र परेशान थे, तब उनकी पत्नी इंद्राणी ने उनके हाथ में रक्षासूत्र बाँधा। उसी दिन श्रावण पूर्णिमा थी, और तभी से इस दिन को "रक्षा बंधन" का पर्व माना गया। राजनीतिक संदर्भ में रानी कर्णावती ने मुगल सम्राट हुमायूं को रक्षासूत्र भेजकर अपने राज्य की रक्षा का अनुरोध किया था। यह एक ऐसा पर्व है जो कर्तव्यबोध, नारी सम्मान, सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता को प्रेरित करता है और धर्म, समाज और आत्मीयता के बीच पुल का कार्य करता है। आज जब समाज में आत्मीय रिश्ते कमजोर पड़ते जा रहे हैं, तब रक्षाबंधन हमें स्मरण कराता है कि रक्षा का अर्थ केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि सम्मान, विश्वास और स्नेह का संवाहन है। रक्षाबंधन भारत का एक पारंपरिक पर्व है, लेकिन इसका प्रभाव और महत्व अब केवल भारत तक सीमित नहीं रह गया है। प्रवासी भारतीयों की बढ़ती संख्या के कारण यह पर्व अब सांस्कृतिक कूटनीति, वैश्विक भाईचारे और मानवीय संबंधों के प्रतीक के रूप में उभर रहा है और अब एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बन रहा है। सांस्कृतिक संगठनों, भारतीय दूतावासों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से भी इसे मनाया जाता है। भारत सरकार के इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस जैसे संस्थान रक्षाबंधन जैसे पर्वों को विदेशी धरती पर मनाकर भारत की 'soft power' को सशक्त करते हैं। वैश्विक मानवीय मूल्यों से साम्यता होने के कारण कई अंतराष्ट्रीय संगठन और स्कूल इसे Brotherhood Day या Universal Bond Day की तरह मनाने लगे हैं। कई मुस्लिम, सिख और ईसाई परिवार भी इस पर्व को मानवीय रिश्तों के प्रतीक के रूप में अपनाते हैं। रक्षाबंधन धर्मनिरपेक्ष सौहार्द का एक सुंदर उदाहरण है जिसे कि भारत की सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage) के रूप में भी देखा जाता है। योग, आयुर्वेद, और दीपावली की तरह यह त्योहार भी विश्व पटल पर भारत की पहचान बनता जा रहा है। आज की युवा पीढ़ी, जो तकनीक, वैश्वीकरण और आधुनिक जीवनशैली के बीच बड़ी हो रही है, उसके लिए रक्षाबंधन एक संभावना और चुनौती दोनों बन चुका है-संभावनाएं अपनी जड़ों से जुड़ने की और चुनौती इन परंपराओं को अपने व्यस्त जीवन में सहेजने की। भले ही कई बार व्यस्त जीवन और दूरी के कारण भाई-बहन एक-दूसरे से दूर होते हैं, लेकिन रक्षाबंधन के दिन डिजिटल माध्यमों से, वीडियो कॉल पर, या ऑनलाइन उपहार भेजकर इस पर्व को मनाने की भावना अब भी जीवित है। आज की पीढ़ी रक्षाबंधन को केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा की जिम्मेदारी के रूप में नहीं देखती, बल्कि वह इसे बराबरी और परस्पर सम्मान के रूप में देखती है। युवा वर्ग अब इस त्योहार को सामाजिक सीमा से ऊपर उठाकर मित्रों, गुरुओं और यहाँ तक कि सैनिकों तक भी फैला रहा है। इससे यह पर्व केवल पारिवारिक बंधन तक सीमित न रहकर एक व्यापक सामाजिक भावना का प्रतीक बन चुका है। रक्षाबंधन का असली संदेश-'रक्षा, विश्वास और प्रेम'-आज भी उतना ही प्रासंगिक है, चाहे वह पारंपरिक धागे में बंधा हो या डिजिटल संदेश में। रक्षाबंधन अब केवल एक पारिवारिक या धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि वैश्विक समाज को जोड़ने वाला एक अद्भुत सांस्कृतिक सूत्र बन चुका है। यही सनातन संस्कृति की विशेषता है- 'वसुधैव कुटुंबकम' (सारी पृथ्वी एक परिवार)।

जयंती

शिवपूजन सहाय

जन्म-9 अगस्त, 1893, शाहाबाद, बिहार; मृत्यु-21 जनवरी, 1963, पटना) हिन्दी साहित्य में एक उपन्यासकार, कहानीकार, सम्पादक और पत्रकार के रूप में प्रसिद्ध थे। इनके लिखे हुए प्रारम्भिक लेख 'लक्ष्मी', 'मनोरंजन' तथा 'पाटलीपुत्र' आदि पत्रिकाओं में प्रकाशित होते थे। शिवपूजन सहाय ने 1934 ई. में 'लहेरियासराय' (दरभंगा) जाकर मासिक पत्र 'बालक' का सम्पादन किया। स्वतंत्रता के बाद शिवपूजन सहाय 'बिहार राष्ट्रभाषा परिषद' के संचालक तथा 'बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन' की ओर से प्रकाशित 'साहित्य' नामक शोध-समीक्षाप्रधान त्रैमासिक पत्र के सम्पादक थे।

पुण्यतिथि

कलिखो पुल

जन्म-20 जुलाई, 1969, अरुणाचल प्रदेश; मृत्यु-9 अगस्त, 2016, ईटानगर) प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के आठवें मुख्यमंत्री थे। उन्होंने फरवरी 2016 से जुलाई 2016 तक मुख्यमंत्री का पद सम्भाला। 13 जुलाई को उच्चतम न्यायालय के आदेश के पश्चात कलिखो पुल को मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ा था। कलिखो ने पांच बार कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था। साल 2015 में वे कांग्रेस से निकल कर भारतीय जनता पार्टी में चले गए। जब बीजेपी ने कांग्रेस के 12 विधायकों की मदद से सरकार बनाई, तब कलिखो पुल को अरुणाचल प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया। 9 अगस्त, 2016 को कथित तौर पर ईटानगर स्थित अपने सरकारी आवास में आत्महत्या करने के कारण कलिखो पुल की मृत्यु हो गयी।

कल मिलेंगे

चिंटू की पत्नी मायके जाने का सोच रही थी
पत्नी-सुनो जी, मैं मायके तब जाऊंगी, जब आप मुझे छोड़ने जाओगे.
चिंटू-वो तो ठीक है, पर प्रॉमिस करो कि वापस भी तब आओगी जब मैं लेने आऊंगा.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-संजय कुमार द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHI/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

आखिरकार दगाबाज चीन पर भरोसा करके फिर चोट खाने के रिस्क क्यों उठा रहे हैं भारत के प्रधानमंत्री मोदी?

सुलगता सवाल है कि वर्ष 1962 से साल 2020 तक जब चीन की फितरत नहीं बदली तो आगे फिर किस नीतिगत करिश्मे की उम्मीद आपको है। क्या वह डोकलाम झड़प विस्मृत कर चुके हैं? क्या वह तवांग दंश भूल चुके हैं? क्या बोमडिला उन्हें याद नहीं? क्या आपकी इस यात्रा से लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक की उसकी क्षुद्र मानसिकता बदल जाएगी?

-कमलेश पांडेय

जब भी हमारे देश का कोई प्रधानमंत्री चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे शत्रु देशों से वैश्विक कूटनीति के नाम पर प्रेम और भरोसे के पींगे बढ़ाना चाहता है, या फिर नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार या तिब्बतियों पर भारतीयों की गाढ़ी कमाई लुटाता है तो मेरे मन में एक ही सवाल पैदा होता है कि हमारे इन नेताओं को इतिहास का ज्ञान नहीं है, या फिर भौगोलिक सच्चाई से ये नादान हैं। क्या इन्हें उन वीर जवानों और साम्प्रदायिक दंगा, आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध की भेंट चढ़े आमलोगों व सुरक्षा कर्मियों के चेहरे याद नहीं आते, उनकी विधवाओं और बच्चों, वृद्ध माता पिता आदि की याद नहीं आती, जिनकी असमय मौत का कारण चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश या इनका रिंग मास्टर अमेरिका की विध्वंसक नीतियां रही हैं।

मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है, बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक-प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है। जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने कहा था कि हम इतिहास बदल सकते हैं, लेकिन भूगोल नहीं, के बारे में सिर्फ इतनी सी दलील देना चाहूंगा कि आप इतिहास और भूगोल को यथावत रहने दीजिए, बस अपने राजनीति विज्ञान के विषय वस्तु बदल दीजिए।

आपको पता होना चाहिए कि राजनीति विज्ञान परिवर्तन शील होता है, इसलिए इसे हमारे वीर जवानों और आम आदमियों के अनुकूल बना दीजिए। आपको भी इस बात का आभास होगा कि हमारे दलित-पिछड़े लोग इन सूक्ष्म प्रशासनिक बारीकियों को नहीं समझ पाते हैं, इसलिए इस अहम बदलाव के लिए किसी जनादेश का इंतजार मत कीजिए, बल्कि अपनी अंतरआत्मा से फैसले लीजिए। यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस महीने के आखिर में चीन जा सकते हैं। यह सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के उत्तरी शहर तियानजिन में होना है।

सवाल है कि ऐसा अप्रत्याशित कदम वह तब उठा रहे हैं, जब अमेरिका-चीन प्रेरित हिन्दू विरोधी पाकिस्तानी आतंकवादी पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर से मिले जख्मों को ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जबकि साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बाद यह मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। वह इससे पहले 2018 में चीन गए थे।

सीधा सवाल है कि जब प्रधानमंत्री मोदी गलवान सैन्य झड़प से इतने व्यथित थे कि लगातार पांच सालों तक चीन नहीं गए, तो अब फिर पहलगाम कांड के तुरंत बाद ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या आपकी अंतरात्मा अब मर चुकी है या फिर अप्रत्याशित अमेरिकी धोखे मिलने के बाद अगले चीनी धोखे खाने की बुनियाद रखने को लालायित मालूम पड़ते हैं! क्या आपको नहीं पता कि जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की सद्भावना को मुंह को मुंह चिढ़ाने वाला चीन कभी भी भारत का सगा नहीं हो सकता।

सुलगता सवाल है कि वर्ष 1962 से साल 2020 तक जब चीन की फितरत नहीं बदली तो आगे फिर किस नीतिगत करिश्मे की उम्मीद आपको है। क्या वह डोकलाम झड़प विस्मृत कर चुके हैं? क्या वह तवांग दंश भूल चुके हैं? क्या बोमडिला उन्हें याद नहीं? क्या आपकी इस यात्रा से लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक की उसकी क्षुद्र मानसिकता बदल जाएगी? क्या भारत को उसके ही पड़ोसियों द्वारा घेरने की उसकी फितरत बदल जाएगी? यहां पर मैं यह समझ सकता हूँ कि हमारे कतिपय असरदार पर गद्दार नेताओं-अधिकारियों-उद्योगपतियों की तिकड़ी ने क्षणिक लाभवश अदूरदर्शिता दिखाते हुए अमेरिकी दबाव में भारतीय अर्थव्यवस्था को चीनी अर्थव्यवस्था पर निर्भर बना दिया। लेकिन इसी दिक्कत को दूर करने के लिये ही तो यूपीए के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 10 वर्षों के बाद सत्ता से बाहर करते हुए एनडीए के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्रीय सत्ता सौंपी गई। आप पिछले 11 वर्षों से सत्ता में हैं, लेकिन यह समझने में असमर्थ प्रतीत हो रहे हैं कि रूसी दबाव में चीनी मित्रता का प्रयास अपने ही पैर में कुल्हाड़ी मारने जैसा मूर्खता भरा कदम साबित होगा। यह जान लीजिए कि इतिहास खुद को दोहराता है और आप इससे बच नहीं सकते। मेरी स्पष्ट राय है कि अमेरिका से तल्खी के बीच चीन-ईरान से बढ़ रही नजदीकी कदापि भारत के पक्ष में नहीं होगी। खबर है कि पीएम नरेन्द्र मोदी एससीओ लीडर्स समिट में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात कर सकते हैं। वहीं इस दौरान वो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते है। वहीं, चीन यात्रा से एक दिन पहले पीएम का जापान जाने का भी कार्यक्रम है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन दोनों ही यात्राओं को लेकर फिलहाल कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन बीते कुछ वक्त से भारत और चीन के संबंध सामान्य होने की दिशा में है।

बीते महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात में इस बात का जिक्र किया था कि किस तरह से पीएम मोदी और चिनफिंग के निर्देशन से द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली है। उसी चीन यात्रा के लिए ग्राउंड वर्क तैयार रहा करने के लिहाज से अहम थी। इससे पहले जून महीने में ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और रक्षा मंत्री राजनाथ भी चीन का दौरा किया था। सवाल है कि इतने तल्खी भरे रिश्ते के बावजूद भी दोनों देश कैसे करीब आए तो जवाब होगा कि पिछले वर्ष रूस में मोदी-जिनपिंग की हुई मुलाकात के बाद द्विपक्षीय रिश्तों की बर्फ ही नहीं पिघली, बल्कि पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर जैसा तात्कालिक जख्म भी मिला, जिससे अमेरिका-चीन दोनों बेनकाब हुए। इससे पहले बंगलादेश से भारत समर्थक शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट किया गया। भारत ने यहां भी आत्मघाती चुप्पी साधी, जिससे अमेरिका-चीन के हौसले बढ़े।

यह ठीक है कि गत 23 जुलाई को पांच साल के अंतराल के बाद भारत ने चीन के लिए टूरिस्ट वीजा की बहाली की। वहीं, इस साल की शुरूआत में कैलाश मानसरोवर पर सहमति बनने के बाद 26 अप्रैल को इसके शेड्यूल की घोषणा हुई। वहीं, अब सीधी फ्लाइट्स की बहाली को लेकर भी सकारात्मक चर्चा चल रही है। इन परिस्थितियों में हमारी स्पष्ट सोच है कि अमेरिका, रूस, चीन को बातचीत के टेबल पर स्पष्ट कर दिया जाए कि आसेतु हिमालय के भारत के पड़ोसी देशों, अरब देशों, आशियान देशों में कोई भी भारत विरोधी कदम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि भारत गुटनिरपेक्ष देश ही नहीं बल्कि ग्लोबल साउथ का अगुवा राष्ट्र भी है। यदि चीन सहमत हैं तो प्रेम के पींगे बढ़ाइए, अन्यथा फुलस्टॉप लगा दीजिए। ऐसा करना ही हमारे लिए आर्थिक और सैन्य दृष्टि से श्रेयस्कर होगा। इससे भारत-चीन की ब्रेक के बाद होने वाली लड़ाई भी थम जाएगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बबार्दी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं

-ललित गर्ग

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरूआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरूआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है। चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बबार्दी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है। लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मयार्दा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी।

विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

भारत-अमेरिका के बीच विमान और हथियार खरीद पर बातचीत नहीं हुई बंद

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच चल रहे टैरिफ विवाद के बीच भारत ने शुक्रवार को उन मीडिया रिपोर्टों का दृढ़ता से खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि भारत ने रक्षा खरीद के संबंध में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ चर्चा रोक दी है। भारत द्वारा अमेरिका के साथ रक्षा खरीद संबंधी बातचीत रोकने की खबरें झूठी और मनगढ़ंत हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा यह स्पष्ट किया जाता है कि खरीद के विभिन्न मामलों में मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार प्रगति हो रही है। यह स्पष्टीकरण कई मीडिया संस्थानों द्वारा यह रिपोर्ट किए जाने के बाद आया है कि नई दिल्ली ने नए अमेरिकी हथियार और विमान खरीदने की अपनी योजना को स्थगित कर दिया है। रिपोर्टों में इस मामले से परिचित तीन भारतीय अधिकारियों का हवाला दिया गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच 31 हजार 500 करोड़ की बोइंग डील हुई थी। 2021 में अमेरिकी विदेश विभाग ने 2.42 बिलियन अमेरिकी डॉलर में छह अतिरिक्त बोइंग पी-8आई समुद्री गश्ती विमानों के मूल सौदे को अपनी मंजूरी दे दी थी। रक्षा सूत्रों के हवाले से द फाइनेंशियल एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत ने परियोजना लागत में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि के कारण सौदे को स्थगित करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में आगे दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ने रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन करने का फैसला किया है और मूल्य वृद्धि, भूराजनीति और रणनीतिक स्वायत्तता जैसे कारक अंतिम निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गौरतलब है कि बोइंग पी-8 पोसाइडन एक बहु-मिशन समुद्री गश्ती विमान है। यह टोही, खुफिया जानकारी एकत्र करने, खोज और बचाव कार्यों और पनडुब्बी रोधी अभियानों में विशेषज्ञता रखता है। बोइंग की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पी-8 490 नॉट की अधिकतम गति से 41,000 फीट की ऊँचाई तक उड़ान भर सकता है। यह लंबी दूरी के गश्ती अभियानों को भी अंजाम दे सकता है, क्योंकि इसमें उड़ान के दौरान ईंधन भरने की प्रणाली लगी है।

फीफा विश्व कप और ओलंपिक खेलने का सपना: मनीषा कल्याण

(एजेन्सी)।

ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ी मनीषा कल्याण ने शुक्रवार को कहा कि उनका सपना फीफा विश्व कप और ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है। यूएफा चैंपियंस लीग (यूरोप की शीर्ष पेशेवर फुटबॉल लीग) में खेलने वाली इकलौती भारतीय फुटबॉलर मनीषा शुक्रवार को यहां नेहरू स्टेडियम में लड़कियों के लिए आयोजित अस्मिता अंडर-13 लीग में आकर्षण का केन्द्र थी। उन्होंने कहा कि अस्मिता युवा लड़कियों को अपने फुटबॉल के सपनों को साकार करने के लिए मुश्किल से मिलने वाला मंच है। तेईस साल की मनीषा ने अस्मिता के गुवाहाटी चरण में भाग लेने वाली आठ टीमों की हौसला अफजाई करने के बाद कहा मेरा सपना अब फीफा विश्व कप और ओलंपिक में खेलने का है। अगले साल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने के बाद हमारे इरादे मजबूत हुए है।

अस्मिता लीग का उद्देश्य पूरे भारत में जमीनी स्तर पर प्रतिभा की खोज करना है। मनीषा ने कहा, आपके पास अब अस्मिता जैसा एक मंच है और आप जितने अधिक मैच खेलेंगी, आप उतनी ही बेहतर होती जाएंगी मनीषा के साथ इस मौके पर असम की दो उभरती हुई खिलाड़ी रेखा कटकी और दोसोमी रौतिया भी मौजूद थी। रेखा और दोसोमी दोनों ही अस्मिता लीग की हिस्सा रही है। दोसोमी ने राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई है, वहीं रेखा ने इंडियन वीमेन लीग डिवीजन 2 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड फुटबॉल क्लब की कप्तानी की है।

मनीषा ने कहा, फुटबॉल पूर्वोत्तर के लोगों की रगों में है। मैं बाला देवी को देखकर बड़ी हुई हूं और अब मेरी सीनियर राष्ट्रीय टीम में 11 साथी खिलाड़ी इसी क्षेत्र से हैं। इससे पता चलता है कि यहां कितनी प्रतिभा मौजूद है।

ऐश्वर्या ठाकरे अनुराग कश्यप की हाई-ऑक्टेन क्राइम-ड्रामा में डबल रोल में नजर आए

(एजेन्सी)।

अप्रदर्शित कैनेडी के बाद, अनुराग कश्यप की अगली फिल्म गैंगस्टर ड्रामा फिल्म निशानची है, जिसमें ऐश्वर्या ठाकरे अपनी पहली फिल्म के साथ नजर आएंगी। निशानची 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और हिंदी फिल्म का टीजर 8 अगस्त को जारी किया गया। फ्लिप फिल्म्स के सहयोग से जार पिक्चर्स के बैनर तले अजय राय और रंजन सिंह द्वारा निर्मित, निशानची का लेखन प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और निर्देशक कश्यप ने किया है। ट्रेलर को साझा करते हुए, कश्यप ने लिखा, "तैयारी कर दी है! इमोसान का तड़का, अभिनय का धमाका, और गुलेल, कट्टा, गाड़ी, घोड़ा तो है ही भैया (तैयारी हो चुकी है। इमोशन, एक्शन, गुलेल, बंदूक और घोड़े का मिश्रण पहले से ही मौजूद है।)

निशानची दो भाइयों के बीच के जटिल और अशांत संबंधों की कहानी है, जिनकी ज़िंदगी नाटकीय रूप से अलग-अलग मोड़ लेती है, और उनके फैसले उनके भाग्य को अप्रत्याशित तरीके से आकार देते हैं। यह फिल्म मुख्यधारा के आकर्षण के साथ यथार्थवाद का मिश्रण है, जो उच्च नाटक, कच्ची भावनाओं और बेबाक अंदाज का मिश्रण पेश करती है। त्वरित कहानी कहने के लिए कश्यप की प्रतिष्ठा बरकरार है, लेकिन यहाँ इसे एक लोकप्रिय फि ल्म की जीवंतता और व्यापक अपील से भर दिया गया है।

टीजर दर्शकों को ऐश्वर्या ठाकरे द्वारा निभाए गए दो विपरीत किरदारों से परिचित कराता है। दोहरी भूमिका में, वह अलग-अलग व्यक्तित्व वाले भाइयों बबलू और डबलू की भूमिका निभाते हैं। टीजर इन किरदारों के बीच के जटिल रिश्तों की एक झलक प्रदान करता है। ठाकरे के साथ, फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी हैं। स्लो-मोशन में हीरो की एंट्री, बड़े-बड़े किरदारों का खुलासा, और तुरंत मनमोहक संगीत। पैरों को थिरकाने वाले बीट्स और लोकगीतों से भरपूर साउंडट्रैक, कहानी का एक अभिन्न अंग बनने के लिए तैयार है। कश्यप की छाप साफ दिखाई देती है-भारी भरकम लहजे के बीच भी, धैर्य, जटिलता और प्रामाणिकता की एक अंतर्निहित धारा है जो इस तमाशे को आधार देती है।

ट्रंप के टैरिफ से मार्केट में टेंशन! सेंसेक्स ने 765 अंक टूटा, निफ्टी भी 233 अंक फिसला

(एजेन्सी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ लगाने से उत्पन्न चिंता और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण शुक्रवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट आई और सेंसेक्स 765.47 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 79,857.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 232.85 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 24,363.30 पर आ गया। साप्ताहिक आधार पर, निफ्टी में 0.8 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि सेंसेक्स में 0.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2020 के बाद से बेंचमार्क सूचकांकों में यह सबसे लंबी गिरावट का सिलसिला है।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, एनटीपीसी, टाइटन, ट्रेंट, आईटीसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में तेजी का रूख रहा। शेयर बाजार से मिले आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 4,997.19 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 10,864.04 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर घोषित शुरूआती 25 प्रतिशत शुल्क बृहस्पतिवार से लागू हो गए। वहीं रूसी तेल खरीदने पर अलग से लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होने वाले हैं। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में ज्यादातर बढ़त मेंथे।

अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.59 प्रतिशत बढ़कर 66.82 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 79.27 अंक बढ़कर 80,623.26 अंक और निफ्टी 21.95 अंक चढ़कर 24,596.15 अंक पर रहा था।

पुरुष एकल में अमेरिका के बेन शेल्टन बने चैंपियन, विक्टोरिया एमबोको ने महिलाओं में जीता खिताब

(एजेन्सी)। अमेरिका के बेन शेल्टन ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रूप में अपने करियर का तीसरा और सबसे बड़ा खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोवा को 6-7, 6-4, 7-6 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त 22 वर्षीय शेल्टन 2003 में एंडी रोडिक के बाद मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता जीतने वाले अमेरिका के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं शेल्टन ने 2023 में टोक्यो में हार्ड कोर्ट पर और पिछले साल ह्यूस्टन में क्ले कोर्ट पर भी जीत हासिल की थी। इस जीत से शेल्टन विश्व रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच जाएंगे। पुरुष युगल के फाइनल में जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 6-3, 6-7, 13-11 से हराया। दूसरी तरफ कनाडा की विक्टोरिया एमबोको ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए फाइनल में नाओमी ओसाका को तीन सेट तक चले मुकाबले में पराजित किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को विभिन्न विद्यालय की छात्राओं ने बांधी राखी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर विभिन्न विद्यालय की छात्राओं द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बदायूँ व अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण को राखी बांधी, एसएसपी द्वारा उपहार प्रदान करने के साथ साथ जनपद की महिलाओं/छात्राओं व युवतियों को मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चलाए जा रहे महिला सशक्तिकरण के विभिन्न प्रयासों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया तथा सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। छात्राओं को अपने सपनों को पूरा करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर एसएसपी द्वारा छात्राओं को रक्षाबंधन के महत्व और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के बारे में बताया गया। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और सौहार्द को मनाने का एक खास अवसर है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है, और भाई अपनी बहन को सुरक्षा और सुख-समृद्धि का आश्वासन देता है। यह त्योहार परिवार और रिश्तों की अहमियत व भाई-बहन के बीच के प्यार को दर्शाता है।

बदायूँ पुलिस हमेशा महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर विजयेन्द्र द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी उझानी/लाइन डा0 देवेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

जेल परिसर में अपराध निरोधक कमेटी रक्षाबंधन पर बहिनों के लिए करेगी समुचित व्यवस्था

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। परम एवं यशस्वी चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन एवं प्रेरणादायक मार्गदर्शन में, जिला अपराध निरोधक कमेटी, बदायूं के जिला सचिव मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा राजेंद्र कुमार, कारागार अधीक्षक बदायूं को समिति की पत्रिका सेवा पथ भेंट कर शिष्टाचार स्वरूप सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने बंदियों के सुधार, पुनर्वास एवं मानवीय सहयोग के प्रयासों के संबंध में विचार-विमर्श किया। साथ ही समिति द्वारा भाई बहिन के पावन प्रेम के प्रतीक पर्व रक्षा बंधन पर कारागार में निरुद्ध बंदियों को राखी बांधने आने वाली बहिनों के बैठने व शुद्ध एवं स्वच्छ जलपान की समुचित व्यवस्था करने की रूप रेखा तैयार की गई। यह भेंट सौहार्द, सहयोग एवं समन्वय के भाव को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

इस मौके पर जेलर रणंजय सिंह, समिति के सह सचिव नेत्रपाल सिंह शैलानी,मीडिया प्रभारी इंतजार हुसैन आदि समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री और केजरीवाल ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों के समक्ष पंजाब को अवसरों की भूमि के रूप में प्रस्तुत किया

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज देशभर के प्रमुख उद्योगपतियों की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय सी.ई.ओ. सम्मेलन के दौरान पंजाब को अवसरों से भरी भूमि के रूप में प्रस्तुत किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उद्योगपतियों से प्राप्त फीडबैक राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए नीति निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने उद्योगपतियों की उद्यमशील सोच और प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसे उन्होंने राज्य की तरक्की के लिए महत्वपूर्ण बताया।

तीन साल पहले की स्थिति का ज़िक्र करते हुए आप संयोजक ने कहा कि तब पंजाब अंधकार के दौर से गुजर रहा था और विशेषकर युवाओं में नशे की समस्या विकराल रूप ले चुकी थी।

केजरीवाल ने जोर देकर कहा कि नशे के कारण सशास्त्र सेना में पंजाब का योगदान बहुत कम हो गया था और पूर्ववर्ती सरकारों के समय औद्योगिक विकास रुक गया था। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने नशा मुक्त पंजाब के लिए एक युद्धस्तर की मुहिम शुरू की है। पहले जहाँ लोग नशा तस्करों के खिलाफ बोलने से डरते थे, अब नागरिक इस लड़ाई में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। केवल जन शिकायतों के आधार पर ही 3,500 से अधिक एफ.आई.आर. दर्ज की गई हैं। इसके चलते छोटे-मोटे अपराधों में काफी कमी आई है। उन्होंने खुलासा किया कि वर्ष 2008-09 के दौरान जानबूझकर राजनीतिक नेताओं के संरक्षण के तहत नशा फैलाया गया था। मौजूदा सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से काम करते हुए बड़े अपराधियों को भी जेल भेजा है। साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा को भी सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया है। ये वे क्षेत्र हैं जो पिछले 75 वर्षों से उपेक्षित थे।

अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि आगामी छह महीनों में पंजाब के सभी 166 कस्बों और शहरों को व्यापक बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से पूरी तरह बदल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सात शहरों की मुख्य सड़कों को यूरोपीय मानकों के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय वास्तुविदों द्वारा दोबारा बनाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में नई सड़कें बनाई जाएंगी, तालाबों की सफाई होगी और नए स्टेडियम तैयार किए जाएंगे। उन्होंने पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त सेवाएं देने के उद्देश्य से आसान पंजीकरण और जमींदारी पोर्टल जैसी वित्तीय सुधारों की भी जानकारी दी।

अरविंद केजरीवाल ने दोहराया कि राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी हैं। उन्होंने उद्योगपतियों से भावनात्मक रूप से जुड़कर सहयोग करने की अपील करते हुए कहा, सिर्फ अपना पैसा न लगाएं-रंगला पंजाब बनाने के लिए दिल और आत्मा से जुड़ें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंजाब सरकार प्रत्येक औद्योगिक पहल को पूरा समर्थन और सहयोग देगी।

समागम में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भी अपने संबोधन में उद्योगपतियों की मेहनत, दृढ़ता और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान के लिए बातचीत और सहयोगात्मक प्रतिक्रिया को आवश्यक बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की खींचतान भरी नीतियों के कारण उद्योग पंजाब से पलायन कर गए थे। उन्होंने बताया कि पिछली सरकारों ने विकास को सुचारू बनाने के बजाय अनावश्यक बाधाएँ खड़ी कीं। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी और बुनियादी ढांचे जैसे अहम क्षेत्रों को राष्ट्रीय स्तर पर लाने का श्रेय अरविंद केजरीवाल को दिया और कहा, "ये पाँच क्षेत्र हमारी प्राथमिकता में हैं और हम इन्हें सुदृढ़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे।"

मुख्यमंत्री ने आप की विकास-केंद्रित राजनीति की तुलना पूर्ववर्ती सरकारों की अवरोधक और शोषणकारी नीतियों से करते हुए कहा कि पहले उद्योगपतियों से जबरन वसूली और धमकियाँ दी जाती थीं। उन्होंने कहा, आज पंजाब में एक जन-निर्वाचित सरकार है, जो ईमानदारी से उद्योगों की तरक्की और समृद्धि के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रमुख उद्योगपतियों का स्वागत करते हुए पंजाब की खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, ऑटो कंपोनेंट, हैंड टूल, साइकिल निर्माण, आईटी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि मार्च 2022 से अब तक राज्य को 1.14 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे 4.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर बने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा स्टील और सनातन टेक्सटाइल जैसी बड़ी कंपनियाँ अब पंजाब में निवेश के लिए तैयार हैं।

इस मौके पर आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि सपनों का पंजाब बनाने के लिए सरकार, उद्योग और शैक्षणिक संस्थाओं के बीच सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यह तालमेल राज्य और इसके नागरिकों के लिए बेहद लाभकारी होगा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार सुगमता को आप की विकास रणनीति के प्रमुख स्तंभ बताया। इससे पूर्व, कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कार्यक्रम में पहुँचे सभी गणमान्य व्यक्तियों और औद्योगिक प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल, उद्योग सचिव के.के. यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ऊंचा समाना में हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी अमित कुमार के निदेर्शानुसार और खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी मोनिका सिंह के मार्गदर्शन में शुक्रवार को ग्राम पंचायत ऊंचा समाना के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता विषय पर रैली भी निकाली गई।

कार्यक्रम के दौरान डीपीएम स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजकुमार संधू ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने-अपने घरों में व गली, मोहल्ले और अपने विद्यालय में साफ-सफाई रखनी चाहिए और सफाई कर्मचारी को गीला कचरा व सूखा कचरा अलग-अलग कर के दे तभी हम अपने गांव को कचरा मुक्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराते हैं इस प्रकार हमें अगस्त महीने में हर दिन झंडा दिवस मनाना चाहिए और अपने गांव को स्वतंत्रता की रंग में रंगना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर पूर्ण चंद सैनी ने कहा कि गांवो में कचरा प्रबंधन के लिए पंचायत द्वारा ट्रैक्टर ट्राली लगाई गई है ताकि गांव के घर-घर से कचरा उठाने में परेशानी ना हो। इसके लिऐ आपके घरों में दो प्रकार के डस्टबिन होनें चाहिए, इसके लिए आपको अलग से बाजार से डस्टबिन लाने की जरूरत नहीं है इसके लिए आपको अपने घर पर जो भी खाली बैग पड़े हैं उसे ही आप सूखे कचरे के लिए इस्तेमाल कर सकते हो। इससे हमारे गांव का सौंदर्यकरण भी होगा और कहीं पर भी गंदगी नहीं मिलेगी। उन्होंने कंपोस्ट के बारे में भी बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि हम रसोई से निकलने वाले कचरे से केचुआ खाद बना सके और अपने खेतों में डाल सके। राष्ट्रीय अवॉर्डी सूबा सिंह ने कार्यक्रम में बच्चों को बताया कि हमें नशे से भी दूर रहना चाहिए। नशा ऐसी बुराई है जिसे हमारी पढ़ाई पर बुरा असर पड़ता है और उसे हमारा भविष्य भी खराब होता है। हमें नशे से और बुरी संगति से दूर रहना चाहिए ताकि हम अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अवॉर्डी, मामू राम, स्वच्छताग्राही, संगीता ग्राम सचिव राकेश नैन, सफाई कर्मचारी, मेंबर पंचायत, स्कूल के अध्यापक सरला व अन्य स्कूल का स्टाफ उपस्थित रहे।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के समापन अवसर पर विविध कार्यक्रमों का किया गया भव्य आयोजन

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। प्रयागराज काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के समापन अवसर पर शुक्रवार को संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति, जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह के साथ अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के द्वारा राष्ट्रधुन का वादन भी किया गया।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विधायक जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शहीद स्थलों से देशभक्ति की भावना जागृत होती है और हमें अपने देश के लिए कुछ करने की संकल्प शक्ति और ऊर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि मैं एक स्वतंत्रता सेनानी का पुत्र हूं। उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन के अमर बलिदानियों के प्रति अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर हमें आजादी देने वाले भारत माता के वीर-सपूत शहीद हुए, वह माटी हमारे लिए चंदन के समान है और उसे हम अपने माथे पर लगाते हुए सादर प्रणाम करते है। विधायक ने कहा कि इस पावन धरती पर आजादी एवं स्वतंत्रता आंदोलन के बड़े-बड़े निर्णय हुए है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का उत्तरदायित्व है कि राष्ट्रीय पर्व एवं राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में यदि कोई कार्यक्रम हो, तो सभी एकजुट होकर उसमें प्रतिभाग करें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम काकोरी के शहीदों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क प्रसिद्ध स्मारक है। यहां आने मात्र से ही देशभक्ति का भाव उमडता है। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा के बाद भी आप सभी उत्साह पूर्वक इस कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे हैं, इससे आप सभी लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना परिलक्षित होती है। जिलाधिकारी ने कहा कि आज से 100 वर्ष पूर्व हमारे अमर जवान, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश को आजाद कराने के लिए जो बलिदान दिया और चुनौती ब्रिटिश हुकुमत को दी थी, इसके लिए यह आवश्यक है कि हर व्यक्ति उनके त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेते हुए उनका अनुसरण करें, जिससे हम लोग भी देश को आगे बढ़ाने में, देश को विकसित राष्ट्र बनाने में एक नागरिक के रूप में अपना योगदान दें सके। जिलाधिकारी ने देश की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अमर शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी-अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद, शहीद अशफाक उल्ला खां, शहीद राम प्रसाद बिस्मिल, शहीद रोशन सिंह, शहीद राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी व अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि हम उन्हें याद व नमन करते है। उन्होंने कहा कि आप लोगो के बीच में यह एक विषय होना चाहिए कि आज हम लोग जो आजाद भारत में खुली हवा में सांसे ले रहे है, यह आजादी हमें इन्हीं अमर शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान की बदौलत मिली है। हमें भी यह दृढ़संकल्प लेना चाहिए कि भारत देश को विकसित देश बनाने के लिए देश के नागरिक के रूप में अपनी भूमिकाओं का निर्वहन करें। जिलाधिकारी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से नई पीढ़ी के लोगो को देश की आजादी में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में जानने का अवसर प्राप्त होता है।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी जी.पी.कुशवाहा जी, डीसी मनरेगा, पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम एवं विकास अभिकरण प्रयागराज, जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता सिंह, डॉक्टर सुभाष चंद्र यादव, सिविल डिफेंस के श्री नीरज मिश्रा, श्री राकेश तिवारी, राकेश वर्मा हरिश्चंद्र दुबे, अजय मौर्या, बृजेश यादव, मोहम्मद सदीक, शुभम, अभिषेक, निर्भय संस्कृति विभाग, रघुनाथ द्विवेदी इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज आदि की उपस्थिति रही।

आयुष्मान भारत योजना में हरियाणा की स्थिति चिंताजनकः सांसद कुमारी सैलजा

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है सरकार

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

हरियाणा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में हरियाणा की स्थिति चिंताजनक है, इस योजना के तहत सूचीबद्ध निजी अस्पतालों को जहां 15 दिन में बिलो का भुगतान मिल जाना चाहिए था वहां इन्हें अब पांच माह से भुगतान ही नहीं मिला है, भुगतान न होने पर निजी अस्पताल आयुष्मान कार्ड पर गरीब रोगियों का इलाज बंद कर चुके है और वीरवार से प्रदेश में ईलाज फिर से बंद कर दिया गया है। उनके द्वारा लोकसभा में रखे गए प्रश्न के जवाब से साफ हो गया है कि प्रदेश सरकार लोगों को गुमराह कर रही है। चिकित्सा दावों के निपटान और अस्पतालों को समय पर भुगतान में सुधार की आवश्यकता है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में पूछे गए अपने प्रश्न के उत्तर के आधार पर कहा कि आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) के तहत हरियाणा में कार्यान्वयन के आंकड़े दिखाते हैं कि योजनाओं की पहुंच के बावजूद चिकित्सा दावों के निपटान और अस्पतालों को समय पर भुगतान में सुधार की आवश्यकता है। केंद्र सरकार की ओर से प्रतापराव जाधव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री की ओर से सवाल के जवाब के अनुसार हरियाणा में अब तक 1.35 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। 26.25 लाख अस्पताल में भर्ती की मंजूरी दी गई है, जिनका मूल्य लगभग 3,990 करोड़ रुपये है। केंद्र सरकार ने योजना के आरंभ से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 तक हरियाणा को 607.73 रुपये करोड़ जारी किए हैं। योजना का खर्च केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60:40 अनुपात में बांटा जाता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि योजना का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है, लेकिन अस्पतालों को दावों का भुगतान समय पर न होना चिंता का विषय है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के नियमों के अनुसार, राज्य के भीतर के अस्पतालों को 15 दिन में और राज्य के बाहर के अस्पतालों को 30 दिन में भुगतान होना चाहिए। वास्तविकता में इसमें देरी मरीजों और अस्पतालों दोनों के लिए समस्याएं पैदा करती है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में इस योजना के तहत 675 निजी अस्पताल सूचीबद्ध है। इस योजना के तहत सरकार को 15 दिन के अंतराल पर निजी अस्पतालों को बिलों का भुगतान करना होता है। पर सरकार ऐसा नहीं कर पा रही है। लेकिन सरकार अस्पतालों के दावों का समयबद्ध निपटान नहीं कर पा रही है। अधिकतर निजी अस्पतालों को अप्रैल माह से भुगतान नहीं किया जा रहा है अब तक निजी अस्पताल संचालकों का करीब 500 करोड़ रुपये की राशि बकाया है, बकाया राशि के भुगतान को लेकर सात अगस्त से आयुष्मान कार्ड पर ईलाज बंद कर दिया गया है जिससे मरीजों में हड़कंप मचा हुआ है। सांसद ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का बजट ही सरकार ने पिछले साल से करीब 622 करोड़ रुपये कम रखा है जिसमें सरकार हर जिला में मेडिकल कालेज खोलने की बात कर रही है, एक मेडिकल कालेज के भवन निर्माण पर ही करीब 1000 करोड़ का खर्च आता है। सरकार को आयुष्मान योजना के बजट का भी ध्यान रखना चाहिए था।

कुमारी सैलजा ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि योजना के लाभार्थियों को पारदर्शी और सुगम प्रक्रिया में सेवाएं मिलनी चाहिए, फजीर्वाड़ा रोकने के लिए सख्त निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। कुमारी सैलजा ने कहा कि वे इस विषय को आगे भी सदन और सार्वजनिक मंचों पर उठाती रहेंगी ताकि हरियाणा के गरीब और जरूरतमंद परिवारों को समय पर इलाज और आर्थिक सुरक्षा मिल सके। राज्य के भीतर के अस्पतालों को दावा प्रस्तुत करने के 15 दिन के अंदर भुगतान होना चाहिए। राज्य के बाहर इलाज (पोर्टेबिलिटी क्लेम) की स्थिति में 30 दिन के भीतर भुगतान होना चाहिए।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा जिले का नहराना गांव जिसे सरकार के कागजों में नशा मुक्त घोषित किया हुआ है पर हकीकत में 300 से ज्यादा युवा नशे की चपेट में हैं और हाल ही में एक और युवक की नशे से मौत हो गई। भाजपा सरकार के नशा मुक्ति के दावे सिर्फ मंचों से भाषण, सम्मान समारोह और फाइलों तक सीमित हैं। जमीनी सच्चाई यह है कि गांव-गांव में नशा खुलेआम बिक रहा है, युवाओं की जिंदगियां बर्बाद हो रही हैं, और परिवार तबाह हो रहे हैं। नशा मुक्ति केवल नारे देने से नहीं होगी, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, ठोस कार्ययोजना और लगातार कार्रवाई की जरूरत है जो भाजपा सरकार में बिल्कुल भी नहीं है।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली
वाटसेप नम्बर: 9871221635

स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा फहराएंगे ध्वज: एडीसी दीपक बाबूलाल करवा

पुलिस लाइन में शानदार मार्च पास्ट के साथ होगा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह के जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन मैदान में किया जाएगा। इस समारोह में शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे और ध्वज फहराएंगे। सभी अधिकारी अपने अपने विभाग से संबंधित जिम्मेदारी को बखूबी निभाएं। किसी भी अधिकारी को अपनी ड्यूटी से संबंधित कोई संशय है तो इसे स्पष्ट कर लें। समारोह में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य एवं गरिमा पूर्वक मनाया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा सबसे पहले राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके बाद परेड का निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण उपरांत जिला के लोगों को अपना संदेश देंगे। इसके उपरांत शानदार मार्च पास्ट की प्रस्तुति होगी, फिर विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा पीटी शो, डंबल की प्रस्तुति होगी। इसी प्रकार विभिन्न शिक्षण संस्थानों द्वारा तैयार किए गए देश भक्ति व लोक संस्कृति से भरपूर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों, समाजसेवियों को सम्मानित भी किया जाएगा। एडीसी ने लोक निर्माण विभाग तथा नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल की लेवलिंग अच्छी तरह से करवाएं। इसके साथ ही घास की ट्रिमिंग करवाई जाए। महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देश कि कार्यक्रम स्थल पर एक भव्य रंगोली बनाई जाए। विशिष्ट अतिथियों, प्रतिभागियों, स्वतंत्रता सेनाओं व आमजन के लिए उचित बैठने की व्यवस्था की जाए। बिजली विभाग कार्यक्रम स्थल पर निर्बाध सप्लाई देना सुनिश्चित करें। इसके अलावा उपायुक्त कार्यालय द्वारा अन्य अधिकारियों की जो भी ड्यूटी लगाई गई है, उसे ईमानदारी एवं निष्ठा से निभाएं।

इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश, एसडीएम अजय सिंह, सीटीएम गुरविंद्र सिंह, डीएसपी बीरभान सिंह, उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त सीमा बिडलान, एलडीएम एसके नंदा, जिला समाज कल्याण अधिकारी सीमा, डीडीए डा. बाबुलाल, जिला बागवानी अधिकारी डॉ. हीरालाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक: मंजू चौधरी

बाल भवन में रक्षाबंधन के पर्व पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा रक्षा बंधन के पावन पर्व पर बाल भवन द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों ब्यूटी केयर प्रशिक्षण केंद्र एवं फैशन डिजाइनिंग व सिलाई एवं कढ़ाई केंद्र में शुक्रवार को प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगताओं में केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

जिला बाल कल्याण अधिकारी मंजू चौधरी ने इन प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे सभी बच्चों को रक्षाबंधन के त्यौहार की शुभकामनाएं दीं और साथ ही उनके द्वारा बनायी गयी प्रतिभाओं की भी सराहना की। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह त्यौहार भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। यह त्यौहार परिवार को एक साथ लाता है और भाई-बहन के बीच के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है। यह हमें याद दिलाता है कि परिवार और रिश्तों का हमारे जीवन में कितना महत्व है। यह भारतीय संस्कृति की सुंदरता और

पारिवारिक मूल्यों को दशार्ता है। निर्णायक मंडल की भूमिका में बाल कल्याण परिषद के आजीवन सदस्य संतोष बक्शी, अंजू शर्मा व सुनीता पसरीचा ने भी बच्चों को शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यो की सराहना की। कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम समय-समय पर बाल भवन द्वारा आयोजित करवाए जाते हैं ताकि बच्चों का छुपा हुआ हुनर बाहर आ सके। बाल भवन ऐसे सभी बच्चों को एक अवसर प्रदान करने का कार्य करता है। इस मौके पर बाल भवन का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रतियोगिताओं का परिणाम इस प्रकार है-मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर तमन्ना, द्वितीय नेहा व तृतीय मोनिका रही, हेयर स्टाइल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर तनु, द्वितीय सोनी व तृतीय कशिश रही और फैशन डिजाइनिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आरजू, द्वितीय मोनिका व तृतीय मनीषा रही। विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने सुनी जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निपटारे के निर्देश

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शुक्रवार को घरौंडा पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में दो घंटे से अधिक समय तक क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए।

सुबह से ही विभिन्न गांवों के लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। ग्रामीणों ने बालाजी मंदिर छपरा से सेक्टर 32-33 तक सड़क निर्माण, रसूलपुर में नहर पर चल रहे कार्य में तेजी, अहमदपुर में खेतों में लटकती बिजली की तारों से हुई मौत की जांच, कैमला में सामुदायिक केंद्र निर्माण, वार्ड 15 में कच्ची गलियों को

पक्का करने, फूसगढ़ में मिडल स्कूल को हाई स्कूल में अपग्रेड करने और कोहंड में अलीपुर रोड पर गली पक्की कराने की मांग रखी।

विधानसभा अध्यक्ष ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के आदेश दिए। इस अवसर पर एसडीएम राजेश सोनी, नगरपालिका सचिव रवि प्रकाश शर्मा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ रवींद्र सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रक्षाबंधन के अवसर पर हरियाणा रोडवेज व नीजि बसों में महीलाओं की यात्रा रहेगी निशुल्क

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। रक्षाबंधन के अवसर पर सरकारी व निजी बसों में महिलाएं, बहन, बेटियां निःशुल्क यात्रा कर सकती हैं। मुख्यमंत्री हरियाणा ने प्रदेश की महिलाओं को यह विशेष सौगात लगातार कई वर्षों से दी जा रही है। जिसका मातृशक्ति प्रतिवर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर लाभ उठाती है। वह मुख्यमंत्री हरियाणा का धन्यवाद करती है। जानकारी देते हुए सीनियर चेकिंग ऑफिसर हरियाणा राज्य परिवहन कैथल रामफल शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार व उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश अनुसार सभी सरकारी व निजी बसों में रक्षाबंधन के अवसर पर सभी माताएं, बहनें, बेटीयां व 15 साल का लड़का निःशुल्क यात्रा कर सकते हैं। यह सुविधा 8 अगस्त दोपहर 12:00 बजे से 9 अगस्त रात 12:00 बजे तक लागू रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई निजी बस चालक महिला यात्रियों की टिकट काटता है तो उसकी शिकायत आसपास के बस अड्डा इंचार्ज, जिला स्तर पर जीएम कार्यालय के पास कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सैनी।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में एम.डी. स्कूल के विद्यार्थियों ने बिखेरा अपना जलवा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में एम. डी. स्कूल के विद्यार्थियों ने अपना बेहतर प्रदर्शन दिखाकर जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में क्वालीफाई कर लिया है। यह तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता 5 अगस्त से 7 अगस्त तक राजीव गांधी खेल स्टेडियम रोहेड़ा में आयोजित की गई। इसमें अंडर 14, 17 और 19 के छात्र व छात्राओं ने विभिन्न खेलों में भाग लिया।

इस प्रतियोगिता का परिणाम कुछ इस प्रकार से हैं: एथलेटिक्स: हनीप्रीत गोला फेंक-प्रथम, तनु 3000 मीटर दौड़-प्रथम, प्रदीप गोला फेंक-द्वितीय, दिग्विजय गोला फेंक-द्वितीय, शिवम 200 मीटर दौड़-द्वितीय, अंशुल लंबी कूद-द्वितीय, गरिमा लंबी कूद-तृतीय, अंजलि 100 मीटर दौड़-तृतीय, नव्या राणा, गोला फेंक तृतीय, अंडर 14 लड़कों के शतरंज मुकाबले में एम. डी. स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 17 लड़कों के शतरंज मुकाबले में एम.डी. स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अंडर 19 लड़कों के शतरंज मुकाबले में एम.डी. स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 लड़कियों के शतरंज मुकाबले में एम.डी. स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 17 लड़कियों के शतरंज मुकाबले में एम. डी. स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 19 लड़कियों के शतरंज मुकाबले में एम.डी. स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 19 कबड्डी मुकाबले में एम. डी. स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया अंडर-19 वॉलीबॉल मुकाबले में एम.डी. स्कूल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बच्चों की जीत के इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक देशराज चहल और प्रधानाचार्य राजेश ढुल ने बच्चों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रार्थना की कि वे आगे भी ऐसे ही मेहनत करते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे।

डिजिटल सामग्री निर्माण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के अंतर्गत विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी में कृषि विस्तार सेवाओं के लिए डिजिटल सामग्री निर्माण विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ।

समापन समारोह की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार ने की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को वीडियो, इन्फोग्राफिक्स और सोशल मीडिया पोस्ट जैसी प्रभावी डिजिटल सामग्री बनाने की तकनीकों से परिचित कराना था, ताकि किसानों तक जानकारी अधिक रोचक और प्रभावशाली ढंग से पहुंच सके। प्रशिक्षण में डिजिटल उपकरणों व सॉफ्टवेयर के प्रयोग का व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया।

डॉ. कुमार ने बताया कि संस्थान, कुलपति प्रो. बी. आर. कांबोज के मार्गदर्शन में विभिन्न राज्यों के कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य, वानिकी, महिला एवं बाल विकास विभागों के विस्तार अधिकारियों को निरंतर प्रशिक्षण दे रहा है। इस कार्यक्रम में हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और झारखंड के अधिकारी शामिल हुए। प्रशिक्षण का समन्वय डॉ. अजय कुमार ने किया। समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्थान के सभी कर्मचारी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

एमएम पब्लिक स्कूल के बच्चों ने पौधों को बांधी राखी

संजना भारती संवाददाता

असंध। करनाल रोड स्थित एम एम पब्लिक स्कूल असंध में जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) सियाराम शास्त्री के निदेर्शानुसार गाईड दल ने विद्यालय निर्देशक आर वी भारद्वाज व स्काउट मास्टर सुरेश कुमार के मार्गदर्शन में रक्षाबंधन का पावन पर्व बड़ी धूम धाम से मनाया। जिसमें विद्यालय की गाइड्स ने पौधों को राखी बांधकर प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए उनकी देखरेख व पेड़ बनने तक सुरक्षित रखने की जिम्मेवारी ली। दूसरी तरफ कक्षा 6 वीं से कक्षा 8 वीं तक के बच्चों की राखी बनाने की एवं थाली सजाओ प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें बच्चों ने बढ़चढकर भाग लिया। प्रतिभागी बच्चों को विद्यालय की तरफ से भागीदारी प्रमाण पत्र देकर उनको सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में कला अध्यापक भीम सिंह के साथ कॉर्डिनेटर माला जूड, कॉर्डिनेटर हेमा रानी, ममता कौशिक व संगीता राणा ने बतौर निर्णायक की भूमिका निभाई। विद्यालय निर्देशक आर वी भारद्वाज ने इस भाई बहन के पावन पर्व रक्षाबंधन पर सभी देशवासियों को बधाई दी। गाईड माही, खुशी, ऐशप्रीत, महक, सिमरन, परिधी, कीर्ति व कनिका के द्वारा पौधों को राखी बांधी गई।

आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सौंगरी में राखी मेकिंग और थाली डेकोरेशन कार्यक्रम हुआ आयोजित

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सौगरी में राखी मेकिंग और थाली डेकोरेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने अनेक प्रकार की सुंदर राखियां धागे और थालियों की प्रस्तुति दी ।यह प्रतियोगिता दो समूह में आयोजित की गई। कक्षा 6 से 8 और 9 से 12 तक छात्रों ने सुंदर प्रस्तुतियों के द्वारा अपने मन की भावनाओं को व्यक्त किया। विद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सुनीता आहूजा ने बताया कि हमारे विद्यालय में इस तरह की प्रतियोगिताएं समय-समय पर आयोजित होती रहती है। प्राचार्य ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का समुचित विकास होता है। अंत में विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर हिंदी प्रधापिका पूनम शर्मा और कला प्राध्यापक जितेंद्र सिंह का विशेष योगदान रहा।

पंचकूला जोन की उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की कार्यवाही 11, 18 और 25 अगस्त को

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, अच्छी वोल्टेज और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्ण उपभोक्ता संतुष्टि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके। बिजली निगम के प्रवक्ता ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच रेगुलेशन 2.8.2 के अनुसार प्रत्येक मामले में एक लाख रुपये से अधिक और 3 लाख रुपये तक की राशि के वित्तीय विवादों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगा। पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों नामतः कुरुक्षेत्र, अंबाला, पंचकूला, कैथल और यमुनानगर के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण 11, 18 और 25 अगस्त को जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच, पंचकूला में उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचकूला जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से सम्बंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जुड़े मामलों, खराब हुए मीटरों से सर्म्बंधित मामलों, वोल्टेज से जुड़े हुए मामलों का निपटान किया जाएगा।

डीएवी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन का पर्व

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। डीएवी पब्लिक स्कूल असन्ध में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने सुंदर-सुंदर राखियां बनाई। विद्यार्थियों द्वारा राखी बनाना, राखी सजाना व थाली सजाना जैसे कलात्मक कार्य किए गए। विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह के साथ आयोजित गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और अपनी कलात्मकता का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा किए गए कलात्मक काम की खूबसूरती देखते ही बनती थी। सभी ने विद्यार्थियों के काम को खूब सराहा।

प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने सभी को रक्षाबंधन के त्योहार की बधाई देते हुए कहा कि त्योहारों से आपसी प्रेम प्यार बढ़ता है। यह उत्सव हमारे समाज में सांस्कृतिक रंग भरते है व भाईचारे का बढ़ावा देते है। इसलिए हमें अपने सभी त्योहार उत्साह व उल्लास से मनाने चाहिए। ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति से जुड़ी रहे। प्रधानाचार्य ने कला अध्यापक राजेश कुमार तथा सभी सहयोगी अध्यापकों को विद्यार्थियों को बेहतरीन तैयारी करवाने के लिए बधाई दी। उन्होंने गतिविधि इंचार्ज रूही वर्मा को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। गतिविधि इंचार्ज रुही वर्मा ने बच्चों को रक्षाबंधन त्योहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बस से गिरकर घायल हुई रेहड़ा की बेटी का इलाज जारी

घायल बेटी मुंह में लगी चोट से बोलने में असमर्थ: पिता राम मेहर

एसबी संवाददाता

राजौंद। लगभग एक सप्ताह पूर्व गांव रोहेड़ा की बेटी राजौद में बस से गिरकर घायल हो गई थी। परिजनों ने बताया की बेटी का इलाज कैथल अस्पताल से चल रहा है और उस के चार दांत बीच से टूट गए हैं। दांत हिल रहे हैं। अभी मुंह में टांके लगे हुए हैं। बेटी कुछ भी बोलने में असमर्थ है। जीएम कार्यालय ट्रांसपोर्ट विभाग कर्मी विकास ने बताया कि चालक वीरेंद्र कुमार व परिचालक कर्मवीर को चार्जशीट कर दिया गया है। मामले के बारे में जानकारी लेने के लिए केस आईओ सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार को फोन किया गया तो फोन नहीं उठाया गया। मामले पर जानकारी लेने के लिए थाना प्रभारी राजौंद सब-इंस्पेक्टर राजकुमार को फोन किया गया तो उन्होंने बताया कि मामले की तपतीश चल रही है। लड़की के बयानों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर दिया जाएगा।

(फाईल फोटो) घायल लड़की का पिता राममेहर।

लड़की के चाचा विक्रम ने बताया कि उनकी भतीजी को चेहरे पर गंभीर चोटे लगी हैं। अभी वह बोलने में असमर्थ है। पूरा परिवार सदमे में है। यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे मामले को लेकर मुख्यमंत्री हरियाणा व परिवहन मंत्री अनिल विज के दरबार में जाएंगे। लड़की के पिता राम मेहर ने बताया कि उसके परिवार में चार बच्चे हैं तीन लड़कियां एक लड़का है। उन्होंने बताया कि वह अपनी मेहनत मजदूरी करके परिवार का गुजर बसर कर रहे हैं। बस से गिर कर बेटी घायल होने से उनके परिवार को गहरा सदमा लगा है। लड़की के पिता ने कहा कि यदि उनको पुलिस थाना राजौंद से न्याय नहीं मिला तो गए उच्च अधिकारियों की शरण में जाने को विवश होंगे। इस दौरान बस ड्राइवर वीरेंद्र के पिता ने मीडिया कर्मी को फोन पर धमकाया कि हमारी खबर बढ़ा चढ़ा कर छापने पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

स्वास्थ्य केंद्र किठाना में हर घर तिरंगा प्रोग्राम का आयोजन किया गया

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। हर घर तिरंगा प्रोग्राम के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किठाना में विशेष कैंप का आयोजन किया गया। सिविल सर्जन कैथल श्रीमती डॉक्टर रेनू चावला के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य केंद्र में सफाई अभियान चलाया गया। सभी मरीजों का एमडी प्रोग्राम के अंतर्गत बीपी, शुगर, कैंसर की निःशुल्क जांच की गई। स्वास्थ्य केंद्र में सफाई अभियान चलाया गया। इस कैंप में कुल 78 मरीज के स्वास्थ्य की जांच की गई। सभी मरीजों के बीपी शुगर व मुख्य कैंसर के लिए जांच की गई। बीपी शुगर के मरीज मिलने पर उनको दवाइयां वितरित की गई, उनकी काउंसलिंग की गई और उनको खान-पान बारें विशेष हिदायत दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम सरपंच अनिल कुमार चहल उपस्थित हुए। उनके

साथ समस्त ग्राम पंचायत मेंबर उपस्थित हुए। इनके अतिरिक्त पुलिस डिपार्टमेंट के सभी मुलाजिमों का स्वास्थ्य जांचा गया। जिसमें मधुमेह, हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों के लिए उनकी जांच की गई।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर संदीप सिंह द्वारा, सिविल सर्जन डॉक्टर रेनू चावला के निर्देशन में एवं वरिष्ठ अधिकारी डॉक्टर कीर्ति शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किठाना के अंतर्गत आने वाले सभी स्वास्थ्य कार्यकताओं ने भाग लिया व अपने-अपने स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ-सफाई का अभियान चलाया।